हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 16 जुलाई 2021

login : www.haribhoomi.com



वार्ड नं 2 मुक्ति मार्ग में माता महाकाली भुआ बिछिया



रेस्ट हाउस रोड भुआ बिछिया



वार्ड नं 12 जतीपुर भुआ बिछिया



वार्ड नं 7 ब्लाक रोड भुआ बिछिया



वार्ड नं 6 बड़ी खेरमाई भुआ बिछिया



वार्ड नं 10 नंदा मोहल्ला भुआ बिछिया मंडला

तलवार, लेजियम और भाले के साथ वीरांगनाओं ने किया गरबा

नारी शक्ति और शौर्य का दिखा संगम





*** पारंपरिक वेशभूषा में बालिकाओं और महिलाओं ने दी साहसिक प्रस्तुतियां।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नारी शक्ति, साहस और शौर्य की संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए मंडला में वीरांगना क्षत्राणी गरबा का आयोजन किया गया। वीरांगना दल समिति के तत्वावधान में आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं ने पारंपरिक गरबा के साथ तलवार, लेजियम और भाले के जरिए साहसिक प्रस्तुतियां दीं। आयोजन में पारंपरिक नृत्य के साथ वीरता और आत्मरक्षा की भावना का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी श्रद्धा उइके,प्रिया धुर्वे, वंदना अवस्थी,सरिता अग्निहोत्री, उपनिरीक्षक महिला थाना मंडला आकांक्षा उरमलिया एवं सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति, अनाज तिलहन व्यापारी संघ,कृषि उपज मंडी के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की तैयारियों के लिए उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में सुबह और शाम नियमित प्रशिक्षण दिया गया। आर्योदय गुरुकुलम जयपुर से आए आचार्य सत्यम और मंडला की वीरांगना दल संयोजिका प्रीति मौर्य ने प्रतिभागियों को गरबा की बारीकियों के साथ लेजियम और तलवार के साथ प्रस्तुति देने का अभ्यास कराया।काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल गाजीपुर के विशेष सहयोग से शुक्रवार को कृषि उपज मंडी परिसर में गरबा का आयोजन किया गया।

आयोजन में विभिन्न आयु वर्ग की बालिकाओं और महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नन्ही बालिकाओं से लेकर महिलाओं तक में गरबा को लेकर उत्साह नजर आया। आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और शौर्य की परंपरा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।







चारटोला मोहल्ला भुआ बिछिया मंडला



वार्ड नं 7 वेयर हाउस कॉम्प्लेक्स भुआ बिछिया



स्थानीय बस स्टैंड भुआ बिछिया



वार्ड नं 14 खेरखा मुहल्ला भुआ बिछिया भुआ

विशाल इनामी कुश्ती दंगल 19 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



श्री बजरंग व्यायामशाला दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड मंडला के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्वर्गीय शंभू उस्ताद की स्मृति में विशाल इनामी दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 19 अक्टूबर को नवमी तिथि के अवसर पर दोपहर 3 बजे से प्राईवेट बस स्टैंड मंडला स्थित दुर्गा पंडाल के सामने आयोजित होगा। समिति द्वारा आयोजित इस दंगल में पहलवानों के बीच रोमांचक कुश्ती मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता का आयोजन कुश्ती के गद्दों पर किया जाएगा जिसमें पहलवान अपनी शारीरिक क्षमता, दांव-पेंच और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन का उद्देश्य कुश्ती जैसी पारंपरिक भारतीय खेल विधा को प्रोत्साहित करना और पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। अध्यक्ष विनोद कछवाहा श्री बजरंग व्यायाम शाला समिति बस स्टैंड ने जिले के समस्त कुश्ती प्रेमियों व्यायाम शालाओं के उस्तादों खलीफाओं एवं पहलवानों से दंगल में शामिल होने अपील की है। समिति ने सभी से आयोजन में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

जतीपुर में हुआ संजू बघेल की भक्ति मय भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया



नगर में नवरात्रि के अवसर पर नगर के दुर्गा पंडालों में में नित नए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे कही गरबा डांस नृत्य चल रहा है तो कही जस भजन सुहागले पूजन माता के दरबार में नित किए जा रहे विगत रात्रि आदर्श दुर्गोत्सव समिति जतीपुर में रात्रि ₹माता रानी के दरबार में मशहूर भजन गायिका संजो बाई बघेल की भक्तिमय प्रस्तुति में भव्य देवी जागरण का आयोजन हुआ, जहां नगर सहित आस पास ग्रामों से बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने भक्ति मय प्रस्तुति को सुना प्रसिद्ध भजन गायिका संजो बघेल ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुति से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसी तरह नगर वेयर हाउस कॉम्प्लेक्स में गरबा डांस नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहां लोगों ने गरबा में हिस्सा लेकर गरबा का आनंद लिया, इन सभी के अलावा मुक्ति मार्ग धाम में स्थापित महा काली महोत्सव में प्रति दिन आलौकिक महा आरती जहा आरती का समय होते ही ग्राउंड में श्रोताओं से भर जाता हैं स्थानीय बस स्टैंड में रोज रात्रि में महा आरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं से भर जाता है।

47 वर्षों से नवरात्रि पर हो रही प्रतिमा स्थापना, 21 अक्टूबर को निकलेगा चल समारोह

मण्डला। श्री गुरुद्वारा साहिब अंबेडकर वार्ड में सिंधु नवयुवक मंडल के तत्वावधान में माता रानी के दरबार में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामाजिकजनों एवं धर्मप्रेमियों ने श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सहभागिता कर मां की आराधना की। महाआरती के दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने माता रानी से परिवारों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। समिति के सदस्यों ने बताया कि दरबार में विगत 47 वर्षों से माता रानी की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा चली आ रही है। हर साल नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। नवरात्रि के उपलक्ष्य में नियमित रूप से प्रसादी वितरण एवं भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है। इसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर सहभागिता कर रहे हैं। माता रानी के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का माहौल पूरे आयोजन में देखने को मिल रहा है। समिति द्वारा नवरात्रि के समापन पर प्रतिमा विसर्जन एवं चल समारोह की तैयारियां की जा रही हैं। यह आयोजन 21 अक्टूबर को किया जाएगा। चल समारोह में विभिन्न आकर्षण ढोल, आकर्षक झांकी,बैण्ड शामिल रहेंगे। समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं से धार्मिक आयोजनों में सहभागी बनने की अपील की है।

नगर के विनोद रंग मंच पर चल रही रामलीला

*** आज दिखाया जाएगा अंगद रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया





सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति विनोद रंग मंच में इस वर्ष चल रही रामलीला में नगर बाल कलाकारों द्वारा पात्रों के रूप में विशेष अभिनय किया जा रहा विगत एक माह से रामलीला समिति के निर्माता ओर निर्देशकों ने पात्रों को अभिनय करने के विशेष तरीके से सिखाने का प्रयास किया हे,और उन में जोस भी भरा है, कि कब कैसे क्या अभिनय करना है, जिसका परिणाम पत्रों ने अपने अभिनय से हजारों दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया है।

इसी तर्ज पर चल रही रामलीला में विगत दिवस दिखाए गए द्रश्य जयंत कथा, शूर्पणखा आगमन, खर दूषण त्रिशरा वध, सीता हरण, राम का बिलाप का मंचन बाल कलाकारों द्वारा बखूबी किया गया। वही आज शनिवार को शबरी कथा, हनुमान जी की झांकी, राम सुग्रीव मित्रता, बाली वध, लंका दहन तक आज लीला दिखायी जाएगी। ओर रविवार राम लीला में विशेष रूप सेतुबंध रामेश्वर स्थापना,अंगद रावण संवाद, लक्ष्मन शक्ति की विशेष राम लीला होगी , जिसके लिए पत्रों ने अपने अभिनय की तैयारी करने विशेष रूप तैयार किया गया है।

भारतीय स्टेट बैंक

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 10 अप्रैल 2002 के उद्योग– स्तरीय द्विपक्षीय समझौते (Industry Level Bipartite Settlement) समय–समय पर लागू बैंक– स्तरीय समझौतों एवं देसाई अवार्ड (Desai Award) के प्रावधानों, विज्ञापन संख्या CRPD/CR/2022-23/15 के पैरा 13 एवं 18 तथा नियुक्ति पत्र के पैरा (W) का उल्लंघन किए जाने के कारण सुश्री पीतम बाई मीणा, कनिष्ठ सहयोगी (Junior Associate) कर्मचारी भविष्य निधि संख्या 1037749, जो अंतिम बार भारतीय स्टेट बैंक की मंडला शाखा में पदस्थ थीं, की सेवाएँ दिनांक 18.10.2024 से समाप्त कर दी गई हैं। अतः सुश्री पीतम बाई मीणा को दिनांक 18.10.2024 से बैंक की सेवाओं से पृथक माना जाएगा।

नियुक्ति प्राधिकारी, क्षेत्रीय प्रबन्धक, मण्डला (म.प्र.)

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that, owing to the violation of the provisions of the Industry-Level Bipartite Settlement dated 10 April 2002, the applicable Bank-Level Settlements and the Desai Award, as well as Paragraphs 13 and 18 of Advertisement No. CRPD/CR/2022-23/15 and Paragraph (W) of the Letter of Appointment, the services of **Ms. Pitam Bai Meena**, Junior Associate, Employee Provident Fund No. 1037749, who was last posted at the Mandla Branch of the State Bank of India, have been terminated from service with effect from 18 October 2024. Accordingly, **Ms. Pitam Bai Meena** shall be deemed to have been separated from the services of the Bank with effect from 18 October 2024.

Appointing Authority
Regional Manager, Mandla (M.P.)

नवरात्र पर्व में पंडालों में विराजी माँ जगत जननी की भव्य एवं आकर्षक प्रतिमाएं


गाडरवारा। नगर की पंचवटी कालोनी में स्थापित प्रतिमा।


नगर के हनुमान बाटिका के पास स्थापित प्रतिमा ।


नगर के शक्ति दरबार में स्थापित प्रतिमा।


नगर के जबरन देवी दरबार में स्थापित प्रतिमा।


नगर की स्टैट बैक के पास स्थापित प्रतिमा।


नगर के काली मंदिर में स्थापित प्रतिमा ।

खबर संक्षेप

शिक्षा के क्षेत्र में नगर को मिली एक और सौगात, कन्या नवीन स्कूल में वाणिज्य संकाय की होगी शुरूआत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को सहायता प्रदान करने में कोई कसर छोड़ी जा रही हो...? मगर देखा जा रहा है कि छात्र छात्राये कक्षा दसवी पास करने के उपरांत उन्हें अपने मन पंसद विषय की पढ़ाई करने के लिये उस समय मायूष होना पड़ता है जब किसी संस्था में उस विषय का आभाव होता है। मुख्य रूप से देखा जावे तो छात्राओं का अधिकांश रूझान वाणिज्य संकाय की ओर रहता है। क्योंकि इस विषय के माध्यम से पढ़ाई करने के बाद छात्राओं के लिये रोजगार के अनेक अवसर प्रदान होने की संभावना बनी रहती है। मगर देखा जा रहा था कि बीते हुये लम्बे समय से नगर के कन्या नवीन स्कूल में वाणिज्य संकाय के आभाव में छात्राओं को मायूष होकर अन्य विषय का चयन करते हुये देखा जाता था। मगर इस कमी को क्षेत्र के विधायक तथा प्रदेश के शिक्षा मंत्री द्वारा पूर्ण कर दिया गया है। इस सौगात को लेकर बताया जाता है कि नगर के पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में इस सत्र से वाणिज्य संकाय शुरू करने की विभागीय स्वीकृति लोक शिक्षा संचालनालय द्वारा जारी आदेश के माध्यम से दी गई है। इस संबंध में स्कूल के प्राचार्य सतीश नाईक ने बताया कि विद्यालय में वाणिज्य संकाय न होने से छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था और उनको अन्य विद्यालय का रुख करना पड़ता था। किन्तु अब इसी विद्यालय में वाणिज्य संकाय शुरू होने का लाभ छात्राओं मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों यह सब संभव हो पाया है। वाणिज्य संकाय शुरू होने से स्कूल स्टॉफ, पालकों व छात्राओं में खुशी की लहर देखी जा रही है।

आमजन के बीच पहुंचकर मंत्री सिंह ने किया समस्याओं का निराकरण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह हर सप्ताह अपनी विधान सभा क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचने से नही चूकते है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस मंत्री सिंह ने स्थानीय सेवा सदन लक्ष्मी टाउनशिप में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा विधानसभा क्षेत्र से पधारे गणमान्य नागरिकों से सौजन्य मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी।बताया जाता है कि इस जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर पहुंचे। इस मौके पर मंत्री सिंह ने एक-एक कर सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार जन-जन की सरकार है। जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है। कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। कार्यकर्ता ही हमारी ताकत हैं और जनता की सेवा ही हमारा संकल्प है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं

माँ अम्बे रानी की भक्ति में लीन हुये क्षेत्रवासी, नवरात्री सप्तमी पर अनेक जगहों पर 56 भोगों के साथ की गई माता रानी की आराधना

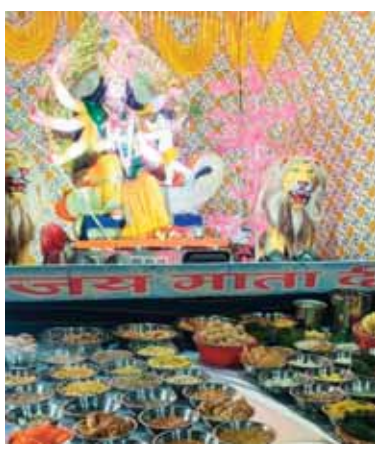



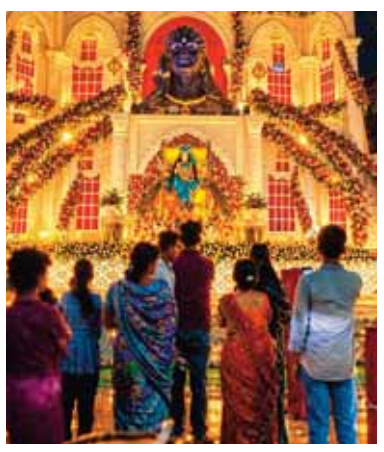





हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय चल रहे शारदेय नवरात्र पर्व के चलते जहां संपूर्ण क्षेत्र देवी की भक्ति में लीन नजर आ रहा है। बीत हुये शुक्रवार को छटवी तथा शनिवार को सप्तमी के मौके पर नगर में स्थापित देवी स्थल पर माता रानी के लिये 56 भोग लगाते हुये जहां उनकी आराधना की गई तो अनेक जगहों पर सारी रात धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे गये। कुछ इसी प्रकार से क्षेत्र के गांवों में भी अनेक प्रकार के पूजन हवन होते हुये देखे गये। क्योंकि इस साल नवरात्र के दौरान तिथि में हुये कुछ फेर बदल के चलते अष्ठमी दो दिन कुछ लोग आज मनायेगे तो कुछ लोग कल सोमवार को भी मनायेगे। वही कल शनिवार को दुर्गा सप्तमी मनाई जावेगी। इस मौके पर देवी मंदिरों के अनेक प्रकार के आयोजनों के साथ साथ कन्या भोज के आयोजन होते हुये देखे गये। वही दूसरी ओर नगर में देखा जा रहा है लगभग 64 स्थानों पर स्थापित देवी प्रतिमाओं के दर्शन करने वालों की भीड़ भी सड़कों पर लगातार उमड़ते हुए देखी जा रही है। नगर की व्यवस्थाये बनाने के लिये टीआई अशोक सिंह चौहान के मार्ग दर्शन में पूरी पुलिस की टीम मोर्चा संभालते हुये देर रात तक नगर की सड़को पर पैदल भ्रमण करते हुये देखा जा रहा है। चप्पे चप्पे पर तैनात रहते हुये असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुये है। क्योंकि शांति पूर्वक संपन्न होने जा रहे नवरात्र के दौरान कुछ तत्व इस तरह से भी देखे जा रहे है जो सोशल मीडिया के माध्यम से नगर के वातावरण को दूषित करने के प्रयास में पीछे नही है। वही दूसरी ओर जिस तरह शांति समिति की बैठक में भरोसा दिलाया गया था कि रात के समय देवी दर्शन करने के लिये निकलने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी नही होने दी जावेगी। मगर सड़को पर धमाचौकड़ी मचाने वाले पशुओं के झुंड के चलते देवी दर्शन करने वाले लोगों के बीच दहशत फैलाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। इस तरह बीते हुये शुक्रवार को देवी भक्तों द्वारा भगवती के षष्ठम रूप में माँ कात्यायनी का पूजन किया गया। धर्म शास्त्रों के अनुसार बताया जाता है कि शारदीय नवरात्र की गहन साधना में छठे दिन प्रकट होती हैं माँ कात्यायनी। ऋषि कात्यायन की तपस्या से जन्मी, दैत्य संहारिणी, अद्भुत तेज से दीप्त,धर्म और विजय की प्रतीक। उनकी छवि सिंह पर आरूढ़,चार भुजाओं में शस्त्र और वरद मुद्रा से सुशोभित, एक ओर करुणा, दूसरी ओर प्रचंड शक्ति युगों से यही संदेश देती है। कि मातृत्व केवल वात्सल्य नहीं,सत्य की रक्षा का संकल्प भी है। माँ कात्यायनी की आराधना में भक्त सजाते हैं भोग, शहद और मधुर फल माने जाते है। क्योंकि माँ कात्यायनी उपासना जीवन की मधुरता और समरसता का आह्वान है। भक्त जब माँ को पुष्प अर्पित करते हैं तो वे केवल श्रद्धा ही नहीं, अपना साहस और समर्पण भी चढ़ा देते हैं। आध्यात्मिक रूप से माँ कात्यायनी हैं व आत्मबल की गहन साधना। वे वह शक्ति हैं जो साधक को संशयों से मुक्त करती हैं। हृदय में निडरता का प्रकाश भरती हैं और चेतना को धर्ममार्ग की ओर मोड़ती हैं। उनकी उपासना में साधक को केवल विजय नहीं मिलती बल्कि मन का संतुलन और अन्याय का सामना करने का संकल्प मिलता है। माँ कात्यायनीके व्रत से भय का नाश, शौर्य की प्राप्ति और जीवन के संघर्षों में विजय का आशीष मिलता है। कहा जाता है कि जिन्होंने श्रद्धा से माँ कात्यायनी का ध्यान किया वे जीवन में कभी अन्याय के सामने झुके नहीं। माँ कात्यायनी की साधना से मनुष्य को अदृश्य कवच प्राप्त होता है जो न केवल शत्रु से रक्षा करता है और भीतर के संशयों को भी नष्ट करता है। वर्तमान समय में जब अधर्म और असत्य नवीन रूप धारण कर खड़े होते हैं। मगर माँ कात्यायनी की उपासना और भी प्रासंगिक हो उठती है। आज जब मनुष्य भय, छल और अन्याय से घिरा है, तब माँ का व्रत हमें सिखाता है कि साहस ही धर्म है। अन्याय के सामने मौन ही पाप है। माँ कात्यायनी आज भी वही दिव्य ऊर्जा हैं जो स्त्री के आत्मबल को जगाती हैं तथा युवाओं के भीतर विवेक का दीप जलाती हैं। वही संसार को न्याय और करुणा से संतुलित करती हैं। इसी के चलते नवरात्र के छटवे तथा सातवे दिवस भक्तों ने आराधना करते हुये कहा कि हे माँ कात्यायनी, आपके चरणों में यह प्रार्थना है कि हमारे भीतर वह निर्भीकता जागृत कर, जिससे हम सत्य के लिए अडिग खड़े हों तथा आपकी कृपा से हम जीवन के युद्ध में केवल विजेता ही नहीं, बल्कि धर्मरक्षक भी बन सकें।



शिक्षा मंत्री ने नगर में स्थापित विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुंचकर की माँ जगदंबे की पूजन अर्चन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर की परम्परा रही है कि जो भी गाडरवारा विधान सभा क्षेत्र की मुखिया रहता है वह हर साल नवरात्र के दौरान नगर में पैदल भ्रमण करते हुये माता रानी की पूजन करने से नही चूकते है। इसी परम्परा को कायम करते हुये बीते हुये दिवस मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक उदय प्रताप सिंह ने शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर विधानसभा क्षेत्र गाडरवारा के विभिन्न स्थानों पर स्थापित दुर्गा पंडालों में पहुंचकर विराजित शक्ति स्वरूपा माँ जगदंबा का विधिवत पूजन-अर्चन कर दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री सिंह ने माँ जगत जननी के समक्ष मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने पंडालों में मौजूद माता के भक्तों, समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात भी की गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि नवरात्रि शक्ति की उपासना का पर्व है। माँ जगदंबा से उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों के साथ-साथ सम्पूर्ण देशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य तथा कल्याण की मंगलकामना की। बताया जाता है कि मातारानी की आराधना पर्व के दौरान उन्होंने कहा कि माँ के आशीर्वाद से क्षेत्र में विकास के कार्य निरंतर जारी रहेंगे और गाडरवारा विधानसभा प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगी। भ्रमण के दौरान विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा मंत्री सिंह का पुष्पमाला एवं चुनरी ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नगर में आयोजित होने वाली 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में एसडीएम ने दिये जरूरी दिशा निर्देश





हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रदेश के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से पिछले वर्षो में राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी एवं व्हालीबॉल प्रतियोगिताओ के सफल आयोजन उपरांत इस वर्ष फिर नये खेल के रूप में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। नगर व क्षेत्र के लिये बडे ही सौभाग्य की बात है कि क्षेत्र की युवा पीढ़ी को इस तरह के आयोजनों के माध्यम से खेल की दुनिया की ओर रूझान बढ़ने से नही चूक रहा है। क्योंकि प्रदेश व राष्ट्र स्तर के इन प्रतियोगिताओं में जिस तरह से देश के कौने कौने से खिलाड़ी हमारे नगर में आकर अपने खेलों का प्रदर्शन करते हुये उससे हमारे क्षेत्र के बच्चों को काफी कुछ सीखने मिलता है। बताया जाता है कि सत्र 2026-27 के खेल कैलेंडर के तहत इस वर्ष नगर में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 28 अक्टूबर तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 19 वर्ष बालक वर्ग के लिए आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में 10 संभागों के लगभग 160 खिलाड़ी एवं 30 ऑफिशियल्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता के मैच रूद्र मैदान गाडरवारा, चीचली, एनटीपीसी एवं शासकीय राघव कृषि उ मा विद्यालय बोहानी के खेल मैदानो पर खेले जायेंगे। जैसे जैसे आयोजन की तिथि नजदीक आ रही है वैसे वैसे आयोजन से जुडी तैयारियां जोर पकड़ती जा रही है। गत दिवस प्रतियोगिता के सफल संचालन, मैदान निर्माण, सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, आवास, भोजन (मेस), परिवहन, साफ-सफाई, पेयजल तथा अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रगति वर्मा की अध्यक्षता में बीते हुये दिवस स्थानीय शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय में आयोजन करते हुये विभिन्न समितियों के प्रभारियों, सहप्रभारियों एवं सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम साईखेड़ा बीआरसी संदीप स्थापक ने आयोजन से जुडी विस्तृत रुपरेखा से अवगत कराया एवं समितियों के गठन व उनमें शामिल सदस्यो के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में एसडीएम प्रगति वर्मा ने कहा कि इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण मप्र से खिलाडी शामिल होंगे। इस दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे कि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। खिलाड़ियों के लिए आवास, परिवहन, भोजन, पेयजल,चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति एवं खेल प्रतियोगिता संबंधी समस्त व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें। जिन कर्मचारियों की ड्यूटी जिन भी समितियों मे लगी हैं वे अपने दायित्व का निर्वाहन पूर्ण ईमानदारी एवं सक्रियता से करें। बैठक में सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने कहा कि यह आयोजन सभी के लिए यादगार हो ऐसा कार्य हम सभी करें। बाहर से आ रहे खिलाड़ियों के प्रति हम सभी का बर्ताव बेहद अच्छा एवं सहयोगी हो। बैठक में प्राचार्य प्रतुल इंदुरख्या, एस के मिश्रा ने भी प्रतियोगिता की सफलता के लिए सभी से पूर्ण मेहनत के साथ जुट जाने की अपील की गई। बैठक में नगर थाना प्रभारी अशोक सिंह चौहान, बीईओ चीचली वीरेंद्र राजपूत सहित आयोजन से जुड़े क्षेत्रीय शासकीय स्कूलों के शिक्षक उपस्थित रहे।

नवरात्र के छटे दिन भक्तों ने माँ कत्यायनी की की पूजन करते हुये मांगा खुशहाली का वरदान



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय चल रहे शारदेय नवरात्र के दौरान जहां चारो ओर लोग मातारानी की आराधना में लीन नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर जा रहा है कि सुबह से ही महिलाये मंदिरों पर पहुंचकर माँ जगत जननी को जल ढारने में कोई कसर नही छोड़ रही है। वही शाम के वक्त होने वाली माँ जगदम्बे की आरती में लोगों की भीड़ उमड़ने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम सहावन में विराजी माँ जगत जननी भक्तों की जिन्दगी को खुशहाल बनाने वाली माँ की प्रतिमा संपूर्ण क्षेत्रवासियों के लिये आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। इस तरह नवरात्रि में छठे दिन भक्तों ने माँ जगत जननी की मां कात्यायनी के रूप में पूजन अर्जन किया गया। बताया जाता है कि नवरात्र के छटवे दिवस माँ कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस देवी को नवरात्रि में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती परम्बा की उपासना की। कठिन तपस्या की और उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं, ये वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं। भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी, इसीलिए ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इनका स्वरूप अत्यंत भव्य और दिव्य है, ये स्वर्ण के समान चमकीली हैं और भास्वर हैं। इनकी चार भुजाएं हैं। दाईं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में। मां के बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार है व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित है। इनका वाहन भी सिंह है और इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है तथा उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इसलिए कहा जाता है कि इस देवी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है। इसी के चलते बीते हुये रविवार को भक्तों ने बडी ही श्रद्वा के साथ मातारानी के कात्यायनी रूप का पूजन करते हुये सुख समृद्वि का बरदान मांगा गया।

खबर संक्षेप

तबला वादन में संदीप कुमार साहू ने हासिल किया सातवां स्थान, राज्यपाल ने प्रदान किया प्रशस्ति पत्र



शहपुरा। जिले के ग्राम बरगांव निवासी संदीप कुमार साहू ने तबला वादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर की प्रावीण्य सूची में संदीप ने तबला वादन में सातवां स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह 16 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया गया। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2025-26 में स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय के नियमानुसार 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक के लिए शामिल किया गया। इसी क्रम में ग्राम बरगांव निवासी शिवकुमार साहू के सुपुत्र संदीप कुमार साहू ने तबला वादन में 71.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची में सातवां स्थान हासिल किया। उनकी इस सफलता ने परिवार सहित क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। संदीप की इस उपलब्धि पर परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि माना जा रहा है।

सड़क बनी, लेकिन झटकों से राहत नहीं! हाईवे की गुणवत्ता पर लोक अदालत सख्त 24 अक्टूबर को जवाब

डिंडौरी। जिले में निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। सड़क बनकर तैयार हो चुकी है, लेकिन वाहनों को लगने वाले झटकों और सड़क की ढलान में कथित तकनीकी खामियों को लेकर परेशानी बनी हुई है। मामले में अधिवक्ता सम्यक जैन एवं केके सोनी द्वारा लोक उपयोगी लोक अदालत में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर प्रथम जिला न्यायाधीश एवं लोक उपयोगी लोक अदालत के अध्यक्ष डी.एस. मंडलोई ने लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग जबलपुर के कार्यपालन यंत्री को नोटिस जारी कर 24 अक्टूबर 2026 को उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए हैं।





सड़क की राइडिंग सरफेस पर सवाल, कम गति में भी संतुलन बिगड़ने का खतरा

आवेदकों ने सड़क की राइडिंग सरफेस, ढलान, ग्रेडिएंट, पुलों के एप्रोच और अन्य तकनीकी पहलुओं पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सड़क पर वाहनों को लगने वाले झटकों की समस्या लगातार बनी हुई है जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है तथा इसकी गुणवत्ता एवं समतलता में कमी है। सड़क की ऊपरी सतह, ऊंचाई और ढलान में उचित तालमेल नहीं होने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। ऐसी स्थिति में कम गति पर भी वाहन का संतुलन बिगड़ने का खतरा पैदा हो रहा है, जो सड़क सुरक्षा के लिहाज से गंभीर विषय है।

निर्माण पूरा, तो खामियों की जिम्मेदारी किसकी?

राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर निर्माण कार्य पूरा होने के बाद भी यदि तकनीकी समस्याएं बनी रहती हैं, तो उनकी जांच और समाधान जरूरी है। आवेदकों ने निर्माण की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों के पालन तथा संबंधित अधिकारियों और कंसल्टेंट की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं।मामला केवल सड़क पर झटके लगने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वाहन चालकों की सुरक्षा से भी जुड़ा है। ऐसे में सड़क की तकनीकी जांच कर यह पता लगाना जरूरी है कि समस्या की वजह क्या है और इसे दूर करने की जिम्मेदारी किसकी है।लोक उपयोगी लोक अदालत ने संबंधित विभाग को नोटिस जारी कर 24 अक्टूबर 2026 को जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में जवाब नहीं देने पर एकपक्षीय कार्रवाई कर प्रकरण का निराकरण किए जाने की चेतावनी भी दी गई है।अब सबकी नजर विभाग के जवाब पर है। देखना होगा कि सड़क की गुणवत्ता को लेकर उठाए गए सवालों पर विभाग क्या पक्ष रखता है और वाहन चालकों की परेशानी दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

दो एकड़ का सौदा, 10.45 एकड़ जमीन नाम कराने का आरोप

डिंडौरी। शहपुरा तहसील के ग्राम मनेरी निवासी 65 वर्षीय आदिवासी किसान डुमारी सिंह ने अपनी पैतृक जमीन के हस्तांतरण को लेकर पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव भूपेंद्र मरावी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। किसान का आरोप है कि बीमारी के इलाज के लिए उसने दो एकड़ जमीन बेचने का सौदा किया था, लेकिन उसकी करीब 10.45 एकड़ भूमि पूर्व विधायक की पत्नी संगीता मरावी के नाम पंजीकृत करा दी गई। किसान ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर जमीन वापस दिलाने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत आवेदन के मुताबिक, वर्ष 2019 में दमा की बीमारी के उपचार के लिए डुमारी सिंह को पैसों की जरूरत थी। इसी दौरान उसने अपनी जमीन में से दो एकड़ का सौदा भूपेंद्र मरावी के साथ 1.50 लाख रुपये में तय किया था। किसान का दावा है कि उसे अलग-अलग किस्तों में केवल 1.20 लाख रुपये मिले। उसका आरोप है कि दो एकड़ से अधिक जमीन बेचने की सहमति नहीं देने के बावजूद बाद में उसकी लगभग 10.45 एकड़ पैतृक भूमि पत्नी संगीता मरावी के नाम दर्ज करा दी गई।किसान ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 3 मई 2019 को खसरा नंबर 160/1, 204 और 562 से संबंधित भूमि की दो अलग-अलग रजिस्ट्रियां कराई गईं। उसने पंजीकृत दस्तावेजों की वैधानिकता और भूमि के मूल्यांकन से जुड़े बिंदुओं की जांच कराने की मांग की है। किसान के अनुसार, वास्तविक सौदे और रजिस्ट्री में दर्ज विवरण का मिलान करने से मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकती है।



नामांतरण और कब्जे को लेकर भी शिकायत

आवेदन में बताया गया है कि 31 अगस्त 2019 को संबंधित भूमि का नामांतरण भी संगीता मरावी के नाम किया गया। किसान का आरोप है कि शेष जमीन वापस मांगने पर उसके साथ गाली-गलौज की गई और धमकी दी गई। उसने जमीन पर सीमेंट के पोल लगाकर कब्जा किए जाने का आरोप भी लगाया है। किसान ने राजस्व अभिलेखों, रजिस्ट्री दस्तावेजों और वर्तमान कब्जे की जांच कराने की मांग की है।डुमारी सिंह ने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 170-बी के तहत मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने, भूमि हस्तांतरण और नामांतरण की वैधानिकता की पड़ताल करने तथा जमीन का कब्जा वापस दिलाने की मांग की है। साथ ही उसने धोखाधड़ी सहित अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग उठाई है। किसान ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व से भी मामले का संज्ञान लेने की अपील की है।फिलहाल, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित पक्ष का जवाब भी उपलब्ध नहीं है। मामले में प्रशासनिक जांच और राजस्व दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

महाविद्यालय शहपुरा में रक्तदान शिविर, 22 यूनिट रक्त एकत्रित

शहपुरा। शासकीय महाविद्यालय शहपुरा में एनटीईपी (राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम) के अंतर्गत राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महाविद्यालय के स्टाफ, एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान कुल 22 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य सीएस परस्ते तथा जिला अस्पताल डिंडौरी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों आनंद मोहरे (डीपीसी), रोशन रैदास (बीसीएम), सुशील गवले (एसटीएस), सुधीर नामदेव (एसटीएलएस), रामकृष्ण वरकड़े (एलटी) और विवेक नामदेव (एलटी) की उपस्थिति में हुआ।शिविर में महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी ने सबसे पहले रक्तदान कर नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर टीबी रोग के लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही लोगों को टीबी उन्मूलन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और निक्षय मित्र बनकर जरूरतमंद मरीजों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया गया।रक्तदान करने वालों में महाविद्यालय के स्टाफ सीपी भानुवंशी, डॉ. आरती चौधरी, डॉ. अंजनी कुमार तिवारी, डॉ. दीपक अग्रवाल एवं राजेश कुमार सहित विद्यार्थी संत कुमार मारवी, रामेश्वर प्रसाद पाण्डेय, रिया चतुर्वेदी, अमन यादव, उमेश सिंह मरकाम, रजनीश झारिया, कन्हैया, दीपक, पराश, नीलम, नितेश, रामराज, जनक सिंह और कान्हा सहित अन्य प्रतिभागी शामिल रहे।कार्यक्रम के संयोजक एवं रेड रिबन क्लब व राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश पटेल ने कहा कि रक्तदान महादान है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को अपनी पात्रता के अनुसार समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाई जा सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ प्राध्यापक एसबी उरैती, कृष्ण कुमार मरावी, डॉ. अंजू त्रिपाठी, डॉ. किरण सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. राकेश साहू, डॉ. आसफा, डॉ. अनीता अग्रवाल, कृष्ण कुमार, डॉ. पारुल श्रीवास्तव, अभिषेक नागवंशी और अजय श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।



शहपुरा में दिव्यांगजनों और वरिष्ठजनों के लिए शिविर आयोजित, 285 हितग्राहियों का पंजीयन

शहपुरा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 अक्टूबर 2026 को जनपद पंचायत शहपुरा में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के समन्वय से हितग्राहियों का पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण तथा पात्र हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। शिविर में कुल 285 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया, जबकि विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के अंतर्गत 218 हितग्राहियों को चयनित अथवा चिन्हित किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिविर में कृत्रिम अंग के लिए 10, सहायक उपकरण के लिए 46, एडिप एवं व्योश्री योजना के अंतर्गत 19, यूडीआईडी कार्ड के लिए 67, मेडिकल प्रमाण पत्र के लिए 62 तथा पेंशन के लिए 14 हितग्राहियों का चयन किया गया। शिविर के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की गई। शिविर का आयोजन विधानसभा क्षेत्र शहपुरा के विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रियंका आर्मो, जनपद सदस्य, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक श्याम सिंगोर तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गणेश पांडे उपस्थित रहे। इसके अलावा विकासखंड पंचायत अधिकारी छत्तर सिंह मार्को सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सिविल सर्जन डॉ. रमेश मरावी, डॉ. अजय राज, डॉ. प्रकाश ठाकुर एवं डॉ. मिनी मोर्वे ने सहभागिता की। वहीं, एलिम्को की ओर से नवनीत तिवारी, प्रणव शुक्ला एवं मुकेश लोधी उपस्थित रहे। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार बैगा एवं सरमन सिंह ने भी शिविर में सहयोग प्रदान किया।



आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल शिविर में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी समन्वय से पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण और विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया में सहयोग किया। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के साथ यूडीआईडी कार्ड, मेडिकल प्रमाण पत्र और पेंशन जैसी सुविधाओं से जोड़ना है।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह शिविर दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने तथा सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नवरात्रि पर प्रधानाध्यापक ने विद्यार्थियों को बांटे कपड़े और फल



शहपुरा। नवरात्रि के पावन अवसर पर शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदवाही के ग्राम घुंडीसरई स्थित शा स की य माध्यमिक शाला बहेरा टोला में प्रधानाध्यापक रमेश साहू ने छात्र-छात्राओं को एक-एक जोड़ी कपड़े एवं फलों का वितरण किया। इस दौरान विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली।प्रधानाध्यापक रमेश साहू द्वारा प्रतिवर्ष नवरात्रि के अवसर पर विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप कपड़े एवं फल वितरित किए जाते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने इस वर्ष भी बच्चों को कपड़े और फल भेंट किए। उनके इस प्रयास से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा करना और त्योहार के अवसर पर बच्चों को प्रोत्साहित करना है। नवरात्रि के अवसर पर किए गए इस कार्य की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।



आंगनबाड़ी भवन निर्माण में देरी पर कलेक्टर सख्त, समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण में तेजी लाने तथा अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर दिया।समीक्षा बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सुश्री माधुरी रजक, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, निर्माण विभाग के इंजीनियर, संबंधित परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और नियमित रूप से कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और प्रशासनिक निर्देशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने तथा निर्धारित निर्देशों का पालन नहीं करने वाले संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी निर्माणाधीन भवनों को समय-सीमा में पूर्ण कर उपयोग के लिए तैयार किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बेहतर पोषण, देखभाल और प्रारंभिक बाल शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाए- कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआरआर) से संबंधित लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करें।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन की प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित एवं अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, वनमंडलाधिकारी अशोक सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम, उप वनमंडलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, परिक्षेत्र अधिकारी, संबंधित पटवारी तथा 26 वन ग्रामों के वन रक्षक उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तित करने से संबंधित प्रथम अभिलेख की पुनः समीक्षा 21 अक्टूबर 2026 को की जाएगी। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आवश्यक अभिलेखों के साथ पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को मैदानी स्तर पर नियमित निगरानी करने तथा शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआरआर) के तहत प्राप्त दावों, अभिलेखों के सत्यापन और आवश्यक औपचारिकताओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने उपखंड स्तरीय समितियों में लंबित कार्यवाहियों की अद्यतन जानकारी लेते हुए पात्र हितग्राहियों एवं समुदायों के दावों का शीघ्र निराकरण करने और आगामी प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि वन ग्रामों का राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन और सामुदायिक वन अधिकारों से जुड़े कार्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में प्रक्रिया पूर्ण करें, ताकि लंबित प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।



कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

अधिसूचना

क्रमांक/एस. डब्ल्यू/पेट्रोल पंप/2026/355
डिण्डौरी, दिनांक 15/10/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भारत पेट्रोलियम कॉपोर्रेशन लिमिटेड जबलपुर (रिटेल) टेरिटरी प्रोपराईटर श्रीमति अंजली राय पति श्री मदनमोहन राय पता हाऊस नं. 341 अर्धनारेश्वर मंदिर के पास समनापुर तहसील एवं जिला डिण्डौरी द्वारा ग्राम समनापुर तहसील एवं जिला डिण्डौरी में स्थित खसरा नम्बर 936/2 एवं 936/1 में स्थापित होने वाले न्यू रिटेल आउट लेट (पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प) में स्थित विषयक भूमि पर विक्रय हेतु न्यू रिटेल आउट लेट (पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प) स्थापित किये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने का अनुरोध किया गया है।

अतः पेट्रोलियम नियम 2002 के नियम 144 के अंतर्गत प्रश्नगत भूमि पर न्यू रिटेल आउट लैट (पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प) से यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति अधिसूचना प्रकाशित होने के 30 दिवस के अंदर इस कार्यालय में लिखित प्रस्तुत कर सकता है । निर्धारित अवधि समाप्त होने उपरांत प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी,
जिला डिण्डौरी

अपर मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने किया ग्रामीण विकास कार्यों का निरीक्षण

सिंगरी नदी पुनर्जीवन कार्य की सराहना

पंचायतों को राजस्व वसूली और ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित राज्य स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्रामीण विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं पंचायतों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण भ्रमण में संचालक पंचायत राज श्री छोटे सिंह, सीईओ राज्य आजीविका मिशन विनय निगम, डायरेक्टर जल निगम एवं स्वच्छ भारत मिशन केवीएस चैधरी तथा सीईओ वीबी जी राम जी मयंक अग्रवाल,कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश शामिल रहे।



ढेलवार में निर्माण कार्यों का निरीक्षण

अधिकारियों ने ग्राम पंचायत ढेलवार में पंचायत के कार्यों, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था तथा विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनकी गतिविधियों एवं आजीविका संबंधी कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई।

सिंगरी नदी पुनर्जीवन कार्य की सराहना

ग्राम पंचायत मगरधा में सिंगरी नदी के पुनर्जीवन के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने नदी पुनर्जीवन के कार्यों की सराहना की। इसके साथ ही नर्मदा तट पर स्थित आश्रय स्थल, पौधरोपण, गौशाला तथा ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों का भी जायजा लिया गया।

पंचायतों को राजस्व वसूली एवं कचरा प्रबंधन के निर्देश

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायतों में जलकर, स्वच्छता कर एवं संपत्ति कर की वसूली सुनिश्चित करने तथा पोर्टल के माध्यम से राशि प्राप्त करने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निर्देशों के अनुसार, निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने वाली ग्राम पंचायतों को 16वें वित्त आयोग से मिलने वाली राशि का केवल 80 प्रतिशत ही प्राप्त होने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा नल-जल योजनाओं के सभी कनेक्शन घरों के अंदर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सचिवों को अपनी पंचायत के सभी परिवारों को संबंधित पोर्टल पर ऑनबोर्ड करने के लिए भी कहा गया, जिससे शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र परिवारों तक सुगमता से पहुंच सके।



ईश्वरपुर में सीसी रोड का निरीक्षण

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्राम ईश्वरपुर में निर्मित सीसी रोड का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा विकास योजनाओं का निर्धारित मापदंडों के अनुरूप क्रियान्वयन करने पर जोर दिया।

चांवरपाठा में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक

संचालक पंचायत राज श्री छोटे सिंह ने जनपद पंचायत चांवरपाठा में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के निराकरण को प्राथमिकता देने के लिए निर्देशित किया।

बौछार में देशभक्ति की अनूठी झाँकी, लाल किले में सजी 1971 के मुक्ति संग्राम की गाथा



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बौछार के तत्वावधान में ग्रामीण प्रतिभाओं द्वारा ऐतिहासिक लाल किले का भव्य स्वरूप तैयार कर देशभक्ति, वीरता और धार्मिक आस्था से ओतप्रोत आकर्षक झाँकी प्रस्तुत की गई है। झाँकी में वर्ष 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम तथा माता तनोट के चमत्कारिक घटनाक्रम का सजीव चलचित्र चित्रण दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय कलाकारों ने दिन-रात निरंतर मेहनत कर लाल किले की भव्य संरचना को साकार किया है। युद्ध के दौरान हुई भीषण गोलीबारी, बमबारी, सैनिकों के अदम्य साहस और माता तनोट की महिमा को ध्वनि प्रभावों एवं सजीव अभिनय के माध्यम से प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया है। विशेष आकर्षण मंदिर परिसर में गिरे, किंतु नहीं फटे बमों की ऐतिहासिक गाथा है। प्रचलित विवरणों के अनुसार, इन बमों को आज भी तनोट माता मंदिर के संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। यह प्रसंग श्रद्धालुओं के लिए आस्था और कौतूहल का विषय है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग नरसिंहपुर के 799 विद्यार्थी द्वितीय चरण में चयनित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत पोर्टल पर आयोजित राष्ट्रव्यापी 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 में नरसिंहपुर जिले के युवाओं ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में आयोजित ऑनलाइन क्विज में जिले के लगभग 9,200 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिनमें से 799 विद्यार्थियों का चयन द्वितीय चरण की निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निबंध जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 22 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। मध्यप्रदेश के चयनित प्रतिभागियों के लिए जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास विषय निर्धारित किया गया है। इस विषय पर चयनित युवा अपने विचारों और दृष्टिकोण को निबंध के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, प्रतिभागियों को प्रथम चरण की ऑनलाइन क्विज में चुनी गई भाषा (हिंदी अथवा अंग्रेजी) में ही निबंध लिखना अनिवार्य होगा। निबंध लेखन के लिए एक घंटे का समय निर्धारित है तथा शब्द सीमा 500 से एक हजार शब्दों तक रहेगी।

दिव्य संस्कार भवन में सजी चैतन्य देवियों की मनोहारी झांकी



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ब्रह्माकुमारीज दिव्य संस्कार भवन नरसिंहपुर में जिला संचालिका ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी जी के सानिध्य में चैतन्य देवियों की मनोहारी झांकी सजाई गई। झांकी में मां दुर्गा, मां सरस्वती एवं अन्य देवी स्वरूपों की आकर्षक सजावट ने सभी का मन मोह लिया। देवी स्वरूपों की दिव्य छटा और आध्यात्मिक वातावरण ने पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। झांकी में मां दुर्गा को सिंह पर विराजमान दर्शाया गया, वहीं मां सरस्वती को वीणा के साथ ज्ञान एवं विद्या की देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया। अन्य देवी स्वरूपों की सुंदर सजावट ने झांकी की शोभा को और बढ़ाया। विशेष रूप से चैतन्य देवी के रूप में सजी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहिनें आकर्षण का केंद्र रही। इस मनोहारी झांकी के माध्यम से देवी शक्तियों के गुणों, पवित्रता, शांति, प्रेम और ज्ञान का संदेश दिया गया। झांकी ने उपस्थित लोगों को आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने तथा अपने संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा दी। जिला संचालिका ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी जी के सानिध्य में आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन ने श्रद्धा, आस्था और सकारात्मकता का सुंदर वातावरण निर्मित किया। झांकी ने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

12 नवंबर को होगा प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन,11 दिसंबर तक लिए जाएंगे दावे-आपत्तियां

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 (एसएसआर) का कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत जिले में मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण, मतदाता सूची का अद्यतन तथा नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने सहित विभिन्न कार्य निर्धारित समय-सीमा में किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण एवं पुनर्गठन 2 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 नवंबर को होगा। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक किया जाएगा, जबकि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को निर्धारित है।

मतदान केंद्रों का होगा भौतिक सत्यापन

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है, वहां आवश्यकतानुसार युक्तियुक्तकरण के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी मतदाता को मतदान के लिए दो किलोमीटर से अधिक दूरी तय न करनी पड़े और उसे किसी प्राकृतिक बाधा का सामना न करना पड़े। इसके अलावा जीर्ण-शीर्ण भवनों, एक ही प्रवेश द्वार वाले भवनों तथा पर्याप्त स्थान की कमी वाले मतदान केंद्रों की समीक्षा की जाएगी। पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों के आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इसके साथ ही एक जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 की अर्हता तिथियों पर पात्रता प्राप्त करने वाले युवाओं एवं अन्य नागरिकों के नाम जोड़ने के लिए भी नियमानुसार प्रारूप-6 में आवेदन लिए जा सकेंगे।

बीएलओ के पास उपलब्ध रहेंगे आवश्यक फार्म

पुनरीक्षण अवधि में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को पर्याप्त मात्रा में प्रारूप-6, प्रारूप-7 एवं प्रारूप-8 उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मतदाता सूची में अस्पष्ट एवं धुंधली फोटो बदलने, दिव्यांग मतदाताओं का चिन्हांकन करने तथा डीएसईपीएसई से संबंधित मामलों का निराकरण करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

संयुक्त संचालक मत्स्योद्योग ने किया तालाबों का निरीक्षण



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संयुक्त संचालक मत्स्योद्योग जबलपुर गिरीश मेश्राम ने जिले के मत्स्योद्योग कार्यालय, मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बगासपुर- गोटेगांव तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत निर्मित तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों, मत्स्य बीज उत्पादन तथा तालाबों में मत्स्य उत्पादन के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा मत्स्य बीज उत्पादन और मत्स्य पालन की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश दिए।

अक्षर साथियों और अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया बताई



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विकसित भारत एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के अधीन संचालित उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के सामाजिक चेतना केंद्रों एवं विभिन्न विद्यालयों में शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, डॉ. अशोक उदेनिया एवं साक्षरता समन्वयक देवेंद्र पटेल ने योजनाओं की जानकारी दी। सामाजिक चेतना केंद्र शासकीय हाईस्कूल नयाखेड़ा गरगटा में प्राचार्य श्रीमती वीनीता पांडे, संकुल सह समन्वयक एल.पी. गिरदोनिया, अक्षरसाथी कमलेश साहू एवं नोडल अधिकारी राजाराम चैधरी की सहभागिता रही। सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में प्राचार्य प्रभात कुमार मिश्रा सहित मनोज वैष्णव, उदय राज पाण्डेय, प्रभात राजपूत, मुकेश चैपड़ा एवं श्रीमती सुषमा नेमा ने जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता की। पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में प्राचार्य श्रीमती गायत्री सोनी एवं श्रीमती माया पटेल ने छात्राओं को जागरूक किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुर में शिक्षक श्री मनीष नेमा ने गणवेश, निःशुल्क साइकिल, ई-स्कूटी, लेपटॉप एवं विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी। केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं की दी जानकारी कार्यक्रमों में किसानों, महिलाओं, श्रमिकों, विद्यार्थियों और जरूरतमंद परिवारों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

नरसिंहपुर स्थित परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर में संपूर्ण ब्रह्मांड की अधिष्ठात्री



गोटेगांव, नरसिंहपुर। 10 महाविद्याओं में से एक श्री माता भगवती राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी विराजमान है, पूज्यपाद् अनंत श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर एवं द्वारकाशारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज ने गीताजयन्ती के महत्त्वपूर्ण पर्व में श्री श्रृंगेरीपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामी श्री अभिनव विद्यातीर्थ जी महाराज के करकमलों से देशभर के अनेक साधु संतों के सन्निधि में 20 दिसंबर 1982 में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विशाल दक्षिण शैली के शिखर वाले मंदिर में अक्षोभ्यादि 64 योगिनी सहित राजराजेश्वरी श्रीललिता महात्रिपुरसुन्दरी की अति मनोरम मूर्ति की स्थापना कराई। तभी से भक्तों की आस्था का केंद्र है परमहंसी, यहां होती है सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण। वर्तमान में द्वारकाशारदा पीठ के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज के पावन सानिध्य में परमहंसी गंगा आश्रम स्थित मंदिर के प्रधान पुजारी ब्रह्मचारी ध्यानानंद एवं विमलानंद जी द्वारा नित्य छः समय की आरती सहित मां भगवती का आवरण, महा पूजन (श्रीचक्रार्चन) संपन्न होता है। यहां का आकर्षण नित्य नवीन श्रृंगार भक्तों के मन को मोह लेता है। कभी चूड़ी से तो कभी मेवा से, कभी पंचमेवा से, कभी चुनरी से, कभी साड़ी से होता है मां भगवती का भव्य श्रृंगार। यह आश्रम तब स्थापित हुआ जब पूज्य शङ्कराचार्य जी स्वतन्त्रता संग्राम में कारावास से मुक्त होकर यहाँ की आरक्षित वनस्थली में आये। यहां सर्वाधिक बेल के पेड़ होने से यह स्थान श्रीवनम् के रूप में ख्यापित हुआ। यहाँ दैवी प्रेरणावश उन्होंने वर्षों तक सघन वन में एकान्त वास करते हुए श्री सिद्धेश्वर महादेव की सन्निधि में यह आश्रम स्थापित किया एवं परमहंसी गङ्गा कुण्ड प्रकट किया तथा यहाँ श्री भगवती यहीं पर भूमिगत अपूर्व दो शिवलिंग प्राप्त हुए जो झौंतेश्वर नाम से (ज्योतेश्वर) क्षेत्र में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं के कारण इस स्थान का नाम झोतेश्वर रूप में प्रसिद्ध हुआ । परमहंसी गंगा आश्रम के आचार्य पंडित सोहन शास्त्री ने बताया कि जिसकी मां के चरणों में सच्ची श्रद्धा, समर्पण पूर्ण निष्ठा होती है अवश्यमेव उसके संपूर्ण मनोरथ पूर्ण निःसंदेह पूर्ण होते हैं।अशरणशरण अकारणकरुणकरुणावरुणालया परमपावनी पराम्बा भगवती राजराजेश्वरी त्रिपुरसुन्दरी की आराधना वेदमूलक 'श्री' की उपासना का ही स्वरूप है। वेद में श्री और लक्ष्मी प्रभृति संज्ञाओं से उपनिबद्ध तथा तान्त्रिक परम्परा की दस महाविद्याओं में श्रीकुल की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण देवी के रूप में ख्यातिलब्ध, भक्तों और साधकों के लिये परम हितावह माता श्री की पूजा सभी के लिये परम उपादेय है। वस्तुतः भारतीय चिन्तनसरणि अध्यात्ममूलक है। अतः यहाँ की भौतिकवादी प्रतीत होने वाली ज्ञानशाखाओं का भी अन्तिम लक्ष्य अध्यात्म ही होता है। ऐसी स्थिति में श्रीविद्या का तो कहना ही क्या है? वह तो साक्षात् अध्यात्मस्वरूपा है। इसीलिए तो इसे 'विद्या' कहते हैं क्योंकि इसकी प्रवृत्ति ही मुक्ति के लिये है (सा विद्या या विमुक्तये) और यह ब्रह्मगति की प्रदात्री भी (विद्या हि सा ब्रह्मगतिप्रदा या) है। यद्यपि लोकव्यवहार में अन्य ज्ञानशाखाएँ भी विद्या पद से अभिहित होती हैं, किन्तु परमार्थतः विद्या श्रीविद्यार ही है क्योंकि अमृतत्त्व की उपलब्धि इसी से सम्भव है। इस सन्दर्भ में भगवान् भाष्यकार श्रीमदादि शङ्कराचार्य ने अपने द्वारा रचित त्रिपुरसुन्दरीवेदपादस्तव में कहा है कि -सन्तु विद्या जगत्यस्मिन् संसारभ्रमहेतवः ।भजेऽहं तां यया विद्वान् विद्ययाऽमृतमश्नुते ॥तन्त्रविधान में श्रीविद्या को पञ्चदशाक्षरी, षोडशाक्षरी, ललिताम्बा, महाविद्या तथा कामसेविता आदि विभिन्न नामों से जाना जाता है। वैदिक परम्परा के ध्वजवाहक शङ्करावतार भगवान् आद्यशङ्कराचार्य जी महाराज ने भी भगवती की स्तुति में अनेक स्तोत्रों का न केवल प्रणयन किया प्रत्युत सपर्या मार्ग को सुस्पष्टतया प्रशस्त कर अग्रगामी भी बनाया। उक्त महत्वपूर्ण जानकारी परमहंसी गंगा आश्रम के आचार्यपंडित सोहन शास्त्री द्वारा प्रदान की गई।

65 साल का हो गया तेंदूखेड़ा का दुर्गोत्सव

शक्ति की भक्ति में डूबा समूचा क्षेत्र



तेंदूखेड़ा। शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व समूचे क्षेत्र में मौसम की प्रतिकूलता के चलते आस्था भक्ति भाव के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। तेंदूखेड़ा का दुर्गोत्सव को 65 साल हो गया है।1960 से प्रारंभ हुये इस दुर्गोत्सव का स्वरूप बढ़कर अब काफी वृहद हो गया है।पहले तेंदूखेड़ा के रामलीला मैदान में बाजू से नवरात्रि के दौरान दीवाल पर माता रानी का चित्र बनाकर पूजन अर्चन किया जाता था। फिर मे ग्राम पंचायत के भवन में यह व्यवस्था की गई तथा 1983 तक नगर के स्थानीय कलाकारों के द्वारा रामलीला का मंचन किया गया। फिर 1972से 1980 तक ग्राम पंचायत भवन में मूर्ति रखना शुरू हुआ।1981 से गांधी चौक पर मूर्ति रखी जाने लगी जो आज वृहद आकार लेकर प्रति वर्ष एक से बढ़कर एक झांकी का स्वरूप स्थानीय कलाकारों द्वारा दिया जाने लगा।पहले नगर में गांधी चौक और नायक मंदिर परिसर में प्रतिमा स्थापित की जाती थी बाद में यह सिलसिला बढ़कर नगर के 11 स्थानों पर प्रतिमायें विराजमान की जाने लगी है। नगर के वरिष्ठ बुजुर्ग बताते हैं कि पहले स्थानीय कलाकारों द्वारा घरेलू जुगाड़ू संसाधनों से ही हैरतअंगेज प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। नगर मे मुख्य रूप से गांधी चौक नगरिया मंदिर नायक मंदिर वीजासेन मंदिर टाल मुहल्ला बागदाने बाबा कल्यान बाबा पी डब्ल्यू डी कालोनी कृषि उपज मंडी वार्ड क्रमांक 11 में दो स्थानों पर तथा एन एच 45 सड़क मार्ग के किनारे नटराज सहित विभिन्न स्थानों पर प्रतिमायें विराजमान की गई है।समीतियों के द्वारा वृहद स्तर पर जोरदार विद्युत साज सज्जा की गई है सुंदर झांकियां सजाई गई है।

126 साल पुराना इतिहास है सिंह बाहिनी का

अष्टमी तिथि पर होता है विशेष हवन पूजन



तेंदूखेड़ा। शक्ति की साधना का महापर्व चैत्रीय नवरात्रि पर्व आस्था उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। भोर की किरण फूटने से पूर्व और सूर्य अस्त होने के बाद देर रात्रि तक माता रानी की पूजन अर्चन से लेकर देवी जस गीतों के माध्यम से संपूर्ण क्षेत्र में देवी मय वातावरण बना हुआ है।नगर के बीच लगभग 126 साल से भी अधिक समय से मां सिंह बाहिनी देवी जी का मंदिर स्थित है जिसे पोकरदास जी पालीवाल ने सिंहवाहिनी मंदिर और एक घाट का निर्माण करवाया था। तभी से इस मंदिर में मां भगवती की विशेष पूजन जारी है। यहां पर शारदीय और चैत्रीय नवरात्रि में श्रद्धालु बड़ी दूर से से पहुंचा करतें हैं।अखंड ज्योति के साथ जवारे कलश की स्थापना के अलावा विशेष पूजन अर्चन हुआ करता है।तिथी के अनुसार पंचमी पर चंदेवा एवं अष्टमी तिथि पर हवन पूजन हुआ करता है।अष्टमी तिथि पर पूजन हेतु दूर दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। तथा आस्था विश्वास रखने वाले श्रद्धालुओं की यहां से हर मुराद पूरी हुआ करती है। माता रानी के दरबार में प्रतिदिन संगीतमय आरती एवं भगते देवी जस देवी की प्रस्तुति से देवी मय वातावरण बना हुआ है।